अमर उजाला

बरेली
बृहस्पतिवार, 12 अगस्त 2021
श्रावण शुक्ल-चतुर्थी
विक्रम संवत-2078

PAGE NO. 09 : BOTTOM

'छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइके'

रिद्धिमा में सरस्वती वंदना प्रस्तुत करतीं रिया और साथी कलाकार। *विज्ञप्ति*

संवाद न्यूज़ एजेंसी

रिद्धिमा में सजी सुरों की शाम

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में बुधवार को आयोजित 'एक शाम सुरों के नाम' में कलाकारों ने अपनी गायकी से संगीत के दीवानों का भरपूर मनोरंजन किया।

स्नेहाशीष दुबे ने मां सरस्वती के वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रिया सक्सेना ने कथक नृत्य के साथ सरस्वती वंदना की। इसके बाद स्नेहाशीष ने 'काली कमली ने ऐसा रंग डाला कि रंग कोई चढ़ता नहीं' भजन प्रस्तुत किया। मेराजे गजल फिल्म से शबीह अब्बास का लिखा गीत 'सलोना सा साजन है और मैं हूं गीत' को स्नेहाशीष और शिवांगी मिश्रा ने पेश किया।

आखिरी खत फिल्म में कैफी आजमी के लिखे गीत 'बहारों मेरा जीवन भी संवारो' शिवांगी मिश्रा ने पेश किया।

उस्ताद दानिश हसैन खान और शिवांगी मिश्रा ने अमीर खुसरो का कलम 'छाप तिलक सब छीनी रे, मोसे नैना मिलाइके' पेश कर समा बांध दिया। दमादम मस्त कलंदर पर भी तालियां बटोरीं। शिव शंभू कपूर, उमेश मिश्रा, ऑगस्टिन फ्रेडरिक, कुंवर पाल, अनीश मिश्रा, सूर्यकांत चौधरी, पवन चौधरी और जनार्दन भारद्वाज ने साजों पर संगत की। कार्यक्रम का संचालन आशीष कुमार ने किया।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति. इंजीनियर सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. दीप शिखा जोशी आदि मौजूद रहे।